भारत - ग्रेनाडा संबंध

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य :

ग्रेनाडा के साथ भारत के संबंध परंपरागत रूप से सौहार्दपूर्ण हैं। ग्रेनाडा, जो ग्रेनाडा, कैरियाकोउ तथा पेटिट मार्टिनिक द्वीपों से बना है, को अधिकतर 'मसाला द्वीप' कहा जाता है। इसका रकबा 133 वर्ग मील है तथा इसकी आबादी 1,09,500 के आसपास है। भारत और ग्रेनाडा के बीच संबंध 1 मई, 1845 से चले आ रहे हैं जब 300 भारतीय संविदा मजदूरों को लेकर पहला जलयान 'मैडस्टोन' ग्रेनाडा, जो उस समय ब्रिटेन का उपनिवेश था, के तटों पर पहुंचा। 3000 अधिक इंडो - ग्रेनाडियन ग्रेनाडा में रहते हैं। वर्तमान समय में पोर्ट ऑफ स्पेन स्थित हमारे मिशन को ग्रेनाडा की जिम्मेदारी सौंपी गई है तथा भारत में इसका कोई राजनयिक मिशन नहीं है। जब वर्ष 2004 में ग्रेनाडा इवान चक्रवात से प्रभावित हुआ, तो भारत ने आपातकालीन चिकित्सा आपूर्ति तथा छत सामग्री आदि के रूप में राहत सहायता प्रदान की।

यात्राएं :

दोनों देशों के बीच अब तक उच्च स्तर पर कोई द्विपक्षीय यात्रा नहीं हुई है। तथापि, ग्रेनाडा के प्रधानमंत्री डा. कीथ मिशेल ने वेस्टइंडीज में आयोजित क्रिकेट विश्व कप 2007 के लिए तैयारियों के सिलसिले में 26 से 30 जुलाई, 2006 के दौरान भारत का दौरा किया था। इस यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मिशेल ने 29 जुलाई, 2006 को माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की थी।

भारत तथा ग्रेनाडा के बीच करार / एम ओ यू :

- ग्रेनाडा में एक आई सी टी उत्कृष्टता एवं नवाचार केंद्र स्थापित करने के लिए भारत सरकार एवं ग्रेनाडा सरकार के बीच अक्टूबर, 2008 में एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया।

द्विपक्षीय सहयोग :

क्षमता निर्माण भारत भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत भारत में विभिन्न प्रशिक्षण संस्थाओं में ग्रेनाडा के कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान करके ग्रेनाडा की क्षमता निर्माण में योगदान कर रहा है। हाल ही में भारत सरकार ने ग्रेनाडा के नागरिकों के लिए वार्षिक प्रशिक्षण के स्लॉटों की संख्या 5 से बढ़ाकर 11 कर दी है। आईसीटी कौशल में सुधार,

एस एम ई में प्रबंधन एवं प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में इन स्लॉटों का अधिकतर उपयोग किया जा रहा है।

ग्रेनाडा सरकार के अनुरोध पर भारत सरकार निम्नलिखित दो अवसंरचना विकास परियोजनाओं को वित्त पोषित करने के लिए सहमत हुई है - (i) शैली नदी सामुदायिक केंद्र के स्थान पर ग्राम संघ सामुदायिक केंद्र (जिसकी अनुमानित लागत 610,074.00 अमरीकी डालर है); और (ii) बेली वू सड़क (जिसकी अनुमानित लागत 2,91,723.00 अमरीकी डालर है)। ग्रेनाडा सरकार के साथ कार्यान्वयन के लिए परियोजनाएं लंबित हैं। इसके जल्दी से कार्यान्वयन के लिए मामले पर कार्रवाई की जा रही है।

ग्रेनाडा में आई सी टी उत्कृष्टता एवं नवाचार केंद्र : 0.8 मिलियन अमरीकी डालर की अनुमानित लागत से सेंट जॉर्ज में आई सी टी उत्कृष्टता एवं नवाचार केंद्र स्थापित करने के लिए भारत सरकार और ग्रेनाडा सरकार के बीच अक्टूबर, 2008 में एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर हो जाने के बाद आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत 15 अप्रैल, 2011 को ग्रेनाडा के प्रधानमंत्री द्वारा आधिकारिक तौर पर इस केंद्र को खोला गया। यह केंद्र औद्योगिक विकास निगम के साथ स्थित है, जो एक स्वायत्त सरकारी निकाय है। केंद्र पूरी तरह काम कर रहा है।

आर्थिक संबंध

ग्रेनाडा को भारत मुख्य रूप से भेषज उत्पादों, ज्वेलरी, रेडिमेड गारमेंट, कपड़ा एवं होम फर्नीशिंग आदि का निर्यात करता है, जबकि ग्रेनाडा मुख्य रूप से स्क्रैप मेटल एवं प्लास्टिक की वस्तुओं का निर्यात करता है। वर्ष 2014-15 के दौरान भारत और ग्रेनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार 1.34 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास था। दूरी तथा ग्रेनाडा बाजार के छोटे आकार को देखते हुए हमारे द्विपक्षीय व्यापार की मात्रा तुलनात्मक दृष्टि से कम है। भारत की ओर से ग्रेनाडा को निर्यात 1.34 मिलियन अमरीकी डालर तथा ग्रेनाडा की ओर से भारत को निर्यात शून्य था।

संस्कृति

भारतीय सांस्कृतिक मंडलियों ने कई बार तथा विशेष रूप से भारतीय आगमन दिवस तथा फगवा / होली समारोह के दौरान ग्रेनाडा का दौरा किया है। भारत - ग्रेनाडा विरासत प्रतिष्ठान के सहयोग से उच्चायोग ने भारतीय आगमन माह के अवसर पर 30 मई से 1 जून 2015 तक ग्रेनाडा में एक 3 दिवसीय खाद्य एवं संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया। मुख्य कार्यक्रम की खूब सराहना की गई तथा उसमें उच्च स्तर के अनेक अधिकारियों एवं पूर्व प्रधानमंत्री के अलावा वर्तमान प्रधानमंत्री एवं उनके मंत्रिमंडल के तीन मंत्रियों ने भी भाग लिया। गुजरात से एक 9

सदस्यीय मेवासी लोक नृत्य मंडली ने मार्च, 2013 में ग्रेनाडा का दौरा किया तथा अपनी नृत्य कला का प्रदर्शन किया।

शांति एवं अहिंसा के लिए महात्मा गांधी जी का योगदान समकालीन इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। इस द्वीप के उत्तरी भाग (सेंट पैट्रिक पैरिश) में मैक डोनाल्ड कॉलेज में जनवरी, 2013 में महात्मा गांधी जी की एक आवक्ष प्रतिमा लगाई गई। पुस्तकों एवं फिल्मों के वितरण के माध्यम से मुख्य रूप से ग्रेनाडा की शैक्षिक संस्थाओं में गांधी जी के जीवन एवं दर्शन के बारे में जागरूकता फैलाने के कार्य में मिशन सक्रिय रूप से लगा है।

भारतीय नागरिकों के लिए वीजा से छूट :

मई 2011 के संशोधित वीजा छूट सूची के अनुसार, ग्रेनाडा सरकार ने पर्यटन एवं कारोबार के प्रयोजनों के लिए ग्रेनाडा का दौरा करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए तीन माह की अवधि के लिए वीजा की आवश्यकता से छूट प्रदान की है। भारत सरकार ने ग्रेनाडा के नागरिकों के लिए ई-टूरिस्ट वीजा को अनुमोदित किया है।

भारतीय समुदाय

ग्रेनाडा में भारतीय समुदाय की संख्या बहुत कम है जिसमें ऐसे कारोबारी शामिल हैं जो जनरल स्टोर चलाते हैं तथा छोटे पैमाने पर व्यापार करते हैं। ग्रेनाडा में तकरीबन 3000 इंडो - ग्रेनाडियन हैं जिनका प्रतिनिधित्व भारत - ग्रेनाडा विरासत प्रतिष्ठान (आई जी एच एफ) करता है। कुछ पेशेवर तथा शिक्षाविद भी हैं जो सेंट जॉर्ज ग्रेनाडा विश्वविद्यालय में पढ़ाते हैं तथा इसके अलावा एक बहुत बड़ा भारत - अमरीकी छात्र समुदाय भी है जो पी आई ओ समुदाय का हिस्सा है। भारत - ग्रेनाडा विरासत प्रतिष्ठान 1 मई को भारतीय आगमन दिवस (आई ए डी) के रूप में मनाने में सक्रिय भूमिका निभाता है। पिछले पांच वर्षों से इस प्रतिष्ठान द्वारा आई ए डी मनाया जा रहा है, जिसने इस साइट पर पहुंचाने वाली सड़क का नाम पहले भारतीय के यहां पहुंचने के नाम पर 'मैडस्टोन रोड' के रूप में रखा है जो उस पहले पोत 'मैडस्टोन' के नाम पर है जिसने ग्रेनाडा में भारतीय संविदा मजदूरों को लाया था इसने एक संस्मारक पट्टिका भी लगाई है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, पोर्ट ऑफ स्पेन की वेबसाइट
http://www.hcipos.in/

***

जनवरी, 2016